TOGETHER
WE EMPOWER
RURAL INDIA

SEHGAL FOUNDATION

तकनीक का कमाल | हरियाणा के मेवात में ग्राउंड वॉटर सूखने से बच्चों ने स्कूल आना किया था बंद, अब पानी आने से समस्या हुई हल

... फिर स्कूल में दूर हुई पानी की समस्या, बच्चे भी बढ़े

■ विशेष संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

हरियाणा के मेवात के स्कूलों में जमीन का पानी सूखने से पीने और टॉइलट के लिए पानी नहीं था। बच्चे पानी पीने व टॉइलट के लिए घर जाते, फिर स्कूल नहीं लौटते थे। इसके लिए सहगल फाउंडेशन ने वहां के स्कूलों की छत पर रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाया। बस एक तकनीक से पानी की समस्या तो दूर हुई ही, साथ ही स्कूलों में स्टूडेंट्स की संख्या भी बढ़ गई। एक्स्पो सेंटर में चल रही संयुक्त राष्ट्र संघ के कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (कॉप-14) में इसके बारे में बताया गया।

जल संरक्षण और खेती में महिलाओं की भूमिका को लेकर बुधवार को इंडियन पवेलियन में एक टॉक शो हुआ। इस दौरान सहगल फाउंडेशन की चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर अंजलि मखीजा व पूजा मुराद ने हरियाणा और राजस्थान में चल रहे प्रयासों के बारे में बताया। अंजलि मखीजा ने इस दौरान कहा कि मेवात व अलवर के कई गांव काफी पिछड़े हुए हैं। वहां पानी की किल्लत के कारण खेती करने में भी परेशानी थी। उन्होंने सरकार और आम लोगों के सहयोग से चैक डैम बनाए। इससे पानी रिचार्ज हुआ और कुएं में भी पानी आ गया। खेती हुई तो उनके लिविंग स्टैंडर्ड बढ़ गए।

एक्स्पो मार्ट में चल रही कॉन्फ्रेंस में मौजूद पर्यावरण विशेषज्ञ

30 स्कूलों में प्रयोग रहा सफल

इसी तरह मेवात के स्कूलों में पीने व टॉइलट के लिए पानी नहीं था। छत पर रूफ हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाया। छतों का पानी विशेष टैंकों में स्टोर कर उसे प्यूरीफाई कर पीने व टॉइलट के लिए प्रयोग किया जा रहा है। यहां बड़े स्कूलों में एक साल तक के लिए पानी स्टोर हो जाता है। मेवात और आंध्र प्रदेश में ऐसे 30 स्कूलों में काम किया गया है।

20 साल से कर रहे काम

इसके अलावा महिलाओं को अपने साथ जोड़कर खेती और उसमें प्रयोग होने वाले खादों की सही मात्रा का प्रयोग करने के बारे में बताया गया। उन्हें सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। शुरूआत में मेवात के पिछड़े गांवों के पुरुषों ने उन्हें घर से बाहर जाने पर रोका, लेकिन अब महिलाएं घर चलाने और कृषि में भागीदार बन गई हैं। सरकारी योजनाओं का लाभ ले रही हैं। उनका लिविंग स्टैंडर्ड सुधरा है। उनके साथ मेवात व अलवर में करीब 800 महिलाएं जुड़ी हैं। वे करीब 20 साल से मेवात में काम कर रही हैं।

Navbharat Times

Speaking at the Sehgal Foundation hosted side event organized in the India Pavilion as part of United Nations Convention to Combat Land Desertification, COP 14, Anjali Makhija, COO, Sehgal Foundation, shared about the Foundation's work in land and water sustainability. She mentioned that rooftop rainwater harvesting is one of the solutions that the Foundation team implements in village schools to ensure access to water for drinking purposes and for sanitation. Over 30 schools have rooftop harvesting systems. In addition, check dams are constructed for groundwater recharge that promote agriculture. Sehgal Foundation has completed twenty years in its empowering work by addressing issues of food security, water security, and social justice, with special emphasis on women empowerment.